Dr. Raman Kumar Thakur
Assistant professor (Guest)
Department of Economics.
D.B.College, jaynagar, Madhubani.
L.N.M.U. Darbhanga .

Class:- B.A.part-2(Hons)
Date:-08 May 2020

" पंचवर्षीय योजनाओं के उद्देश्य

(Objectives of Five year plan) "

आर्थिक विकास की चेतना को दृष्टि में रखते हुए हमारे संविधान के निदेशक सिद्धांतों (Directive Principle s of the Constitution) में यह उल्लेख किया गया है की राज्य अपनी नीति का संचालन खास तौर पर निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए करेगा ,जो इस प्रकार से देखा जा सकता है:-

1). आर्थिक विकास की दर में वृद्धि(Increase in Rate of Economic Development):- उपनिवेशिक शोषण के फलस्वरुप स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत की अविकसित पिछड़ी हुई अर्थव्यवस्था थी देश में सामान्य रहन-सहन का स्तर बहुत निम्न था इसलिए राष्ट्रीय और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के द्वारा लोगों के रहन-सहन के स्तर को बढ़ावा देना देश के सभी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य था।

2). सामाजिक एवं आर्थिक न्याय(Social and Economic Justice) :- हमारे संविधान में नीति - निदेशक सिद्धांतों ने न्याय -सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक की घोषणा की है और इसे आधारभूत राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया है। भारत के नियोजन में विकास को प्रेरित करने के साथ-साथ सामाजिक एवं आर्थिक न्याय भी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है। इन दो उद्देश्यों- विकास की उच्च दर तथा सामाजिक न्याय को हमारे नियोजको ने 'सामाजिक न्याय के साथ विकास' की संज्ञा दी है ।

3) आत्मनिर्भरता(Self Reliance):- अपने विकास की प्रारंभिक अवस्था में तो एक देश को विदेशी सहायता पर निर्भर रहना ही पड़ता है किंतु विदेशी सहायता पर आवश्यकता से अधिक निर्भरता की अपनी कुछ कठिनाइयां व सीमाएँ हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए तीसरी पंचवर्षीय योजना से आत्मनिर्भरता को हमारी योजना प्रक्रिया का एक प्रमुख उदेश्य स्वीकार किया जाने लगा है।

4) आर्थिक स्थिरता(Economic Stability):- आर्थिक नियोजन का एक अन्य प्रमुख उद्देश्य अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाना है और उसे बनाए रखना अभिप्राय यह है कि अर्थव्यवस्था में कीमत स्तर ,वेतन ,लाभ कि दरो आदि में होने वाले उतार-चढ़ाव को समाप्त किया जाए ताकि अर्थव्यवस्था सही ढंग से आगे बढ़ सके और जनसाधारण के जीवन स्तर में सुनिश्चित सुधार लाया जा सकें।

5). रोजगार अवसरों में वृद्धि(Increase in Employment opportunities):- रोजगार के अवसरों में वृद्धि लाकर बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराना, तथा अर्ध और अदृश्य बेरोजगारी को दूर करना हमारी योजनाओं का एक प्रमुख उदेश्य रहा है। सातवीं पंचवर्षीय योजना में तो रोजगार वृद्धि को प्रमुखतम उद्देश्य ठहराया गया।

6). विनियोग आय के अनुपात में वृद्धि(Increase in Investment Income ratio) :- नियोजन का एक यह उद्देश्य भी है कि राष्ट्रीय आय में विनियोग का अनुपात बढे। राष्ट्रीय आय में विनियोग का अनुपात जितना ही अधिक होगा देश की उत्पादन क्षमता में उतनी ही वृद्धि होगी। विकसित देशों में यह अनुपात 25 % से भी अधिक है।